

अमन लेखनी

संक्षेप

राते के विवाद को लेकर भाईंने सगे भाई को पीटा, मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम बिसरामऊ में भाई ने अपने सगे भाई को राते के विवाद को लेकर लाटी डड़ो से पीटा दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पीटा का मेडिकल करा मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बिवाहमें निवासी फूलचंद पुत्र रामदीन यादव शुक्रवार को रोज की तरह अपने दावाजे बैठा था तभी उसका सगा भाई कहने लाटी लेकर आया और रासे के विवाद को लेकर गली - गली करने लगा साथ ही लाटी से ताबड़ोतो ब्रह्मदर कराना शुरू कर दिया। उसी लाटे से उसका सर पूट गया और खुन बहने लगा। पास पड़ोस के लोगों के कारण उपर्योगी जान बच सकी। पीड़ित ने थाना बिहार में तहरीर दी। नवागत थाना प्रभारी शिव प्रकाश पांडेने बताया तहरीर और मेडिकल के आधार पर पीटा का मुकदमा दर्ज विधिक कार्यवाही की जाए है।

विवाहिता को समुराली जानें बारी पर घर से निकाला

बीघापुर। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत इदमऊ रेवें स्टेशन के निकट रहने वाली महिला निशा पानी अखिलेश ने अपने समुराली लागों के खिलाफ लिखित तहरीर दिया कि हमारे पति अखिलेश हमारी सास मंजू देवी संस्कृत प्रताङ्गित करने पर हमें इस समय गर्भवती हुई मेरे सभी लात मारी जिससे मेरे पैर में दर्द हो रहा है मैं बहुत परेशान हो गई हूं मंजू भगा देने का धमकी दे रहे हैं पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बेहमानी की नियत से पूर्व प्रधान ने किया गाली गलौज

आगे, फतेहपुर विकास खण्ड मलवा की ग्राम पंचायत शिवाराजगढ़ के पूर्व प्रधान ने पाच माह धूंध गांव के एक ग्रामीण सेवियों के लिया उचाई खरीदा था इसी का सास बेर्मानी करने की नियत से चार विक्रीकों के घर में तीन लोगों ने लाटी डड़े लेकर चढ़ाई की तथा गाली गलौज करके एकान्मय मिलने पर देख लेने की खात्रनाक धमकी दी, जिसका बीड़ियों से लाठी-माड़ीयों में बायराल हो रहा है, किन्तु अमन लेखनी समाचार पत्र इस वायरल बीड़ियों की पुष्ट हर्षी की दिखाई दी। वर्दान की एक आइडिया थाने में तीन लोगों के खिलाफ दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता सौरभ उत्तर रजनीलालनियादि निवासी ग्राम सुनामपुर मजर शिवाराजगढ़ की लिखित तहरीर के अनुसार पांच माहों पहले धूंध प्रश्न सुरजपाल यादव ने वारी से चारा (कवी) उत्तर खरीदा था जिसका मोबाइल के द्वारा तगड़ा करने पर वर्ष प्रधान आप से बाहर हो गए और दो लोगों के साथ लाटी डड़े से लैस होकर वारी के घर में चढ़ाई बोल दिया और जगली गलौज करने के साथ धमकी दी। जिस पांच वारी ने पूर्व प्रधान सुरजपाल यादव भाई संतेन्द्र यादव तथा दिव्यांशु यादव द्वारा उपस्थित युवा खिलाड़ियों एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्यापिका एवं

विद्यालय निरीक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान अध्याप

जानकारी

रोमांच से भरा खेल पैराग्लाइडिंग



चौं, हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी को पैराग्लाइडिंग वैली के नाम से भी जाना जाता है। इसकी वजह यह है कि जिन पर्यटकों को पश्चिमी की तरह उड़ने का उड़ान भरने में माहिर पक्षियों में इसका दूसरा नंबर आता है। शूटी शीयरवाटर हर साल लगभग 64,000 किमी की उड़ान भरता है। इसे झुंड की बजाय अकेले ही यात्रा करने की आदत होती है। *

लेना जरूरी है। पैराग्लाइडर बाकी आकाशीय खेलों से भले सस्ता हो, लेकिन जोखिम इसमें भी शामिल है। बच्चों, पैराग्लाइडर का वजन अधिक न हो और हवा में तेज गति से उड़ने का रोमांचक अनुभव लेना होता है, वे यहाँ पैराग्लाइडिंग का आनंद जरूर लें हैं। जब बड़ी संख्या में वर्टक यहाँ एक साथ पैराग्लाइडिंग करते हैं तो अलग-अलग रंगों के ग्लाइडर्स घाटी के दृश्य को बहुत मनोरम बना देते हैं। पैराग्लाइडिंग में मसल्ल पार की जरूरत होती है, जिसकी मदद से पायलट हवा के ग्लाइडर को किसी भी दिशा में मोड़ सकता है। पैराग्लाइडिंग अकेले और जोड़ में यानी किसी के साथ भी जी जानी चाहिए। यात्रा के दौरान यह अपने वजन से 2 गुना कीड़े-मकोड़े और परागकण खाली होती है। रुबी श्रॉटेड हमिंग बर्ड पनामा से इस्टर्न यूएस तक 1,400 किलोमीटर की यात्रा बिना रुके तय करता है। *

जीपीएस (लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) वाली बेल्ट पहननी पड़ती है। इसके अलावा पायलट अपने साथ वाकी-टाकी(बात करने का यंत्र) भी रखता है। पायलट फर्ट एड के साथ-साथ आपात स्थितियों में उत्तर और बचाव से संबंधित जानकारियों से लैस होता है। *

-एफएमएन



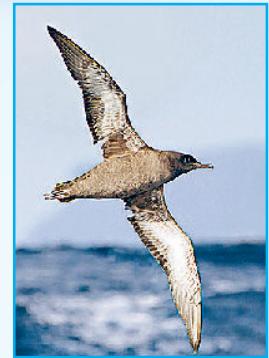
बार हेडेड गूज

बार हेडेड गूज या सफेद हंस भारत से निकलकर अपने प्रजनन के लिए अनुकूल इलाकों जैसे मंगोलिया, तिब्बती पठार और उत्तरी चीन तक का सफर करता है। इसके लिए इह हिमालय को ऊचा और लंबी पर्वत शृंखला को पार करना पड़ता है। इस पक्षी को दुनिया का सबसे ज्यादा ऊचाई पर उड़ने वाला पक्षी माना जाता है। यह 23,000 फीट की ऊचाई पर लगातार उड़ने की क्षमता रखता है। जबकि इनी ऊचाई पर ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम होता है। *



बार टेल्ड गोडविट

माइग्रेशन के दौरान बार टेल्ड गोडविट नामक पक्षी सबसे लंबी नॉनस्टॉप उड़ान भरने वाला पक्षी माना जाता है। यह मस्त मोला, ऊजावान और फूलीला पक्षी अलास्का से न्यूजीलैंड की 11,000 किमी की दूरी को बिना आराम किए, बिना रुकने लिए और बिना कहाँ रुके आठ दिनों में पूरी करता है। लक्ष्य तक पहुंचे बिना विश्राम नहीं, इस पक्षी का यही जीवन मंत्र होता है। *



थूटी शीयरवाटर

न्यूजीलैंड का यह पक्षी मटन बर्ड या टीटी भी कहलाता है। प्रवास के दौरान सबसे लंबी दूरी की उड़ान भरने में माहिर पक्षियों में इसका दूसरा नंबर आता है। शूटी शीयरवाटर हर साल लगभग 64,000 किमी की उड़ान भरता है। इसे झुंड की बजाय अकेले ही यात्रा करने की आदत होती है। *



ग्रेट स्क्यूइ

सबसे तेज गति से उड़ान भरने का रिकॉर्ड ग्रेट स्क्यूइ प्रवासी पक्षी के नाम है। इसकी उड़ान की गति 97 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अपनी इती फुर्तीली उड़ान के कारण वह स्वीडेन से अफ्रीका की 6,760 किलोमीटर की दूरी मात्र 2 दिनों में तय करके अपनी मिजल पर पहुंच जाता है।



आश्चर्य की बात यह है कि इस यात्रा के दौरान ग्रेट स्क्यूइ न आराम करने की लिए रुकता है, न पेट पूजा के लिए। हालांकि इन दो दिनों की यात्रा में इसके शरीर का वजन जरूर आधा हो जाता है। *

आर्टिक टर्न

आर्टिक टर्न पक्षी, माइग्रेशन यानी प्रवास के लिए प्रतिवर्ष ग्रीनलैंड से अंटार्कटिका के बीच कीरी 90,000 से 96,000 किमी की उड़ान भरता है। कहा जाता है कि अपनी 30 वर्ष की आयु में यह पक्षी जितनी दूरी की उड़ान भर लेता है, उसमें तीन बार पृथ्वी से चांद पर जाकर लौटा जा सकता है। ये पक्षी वजन में इन्हें हल्के होते हैं कि समुद्री हवाएं इन्हें अपने साथ बहाकर लंबी दूरी पहुंचा देती हैं। *

हमिंग बर्ड

हमिंग बर्ड सबसे छोटा पक्षी है, जो प्रवास के लिए दूसरे देश जाता है। हमिंग बर्ड की एक प्रजाति रूफस, अलास्का में स्थित अपने मूल क्षेत्र से मैक्सिको तक 4,800 किलोमीटर की दूरी मात्र 2 दिनों में तय करके अपनी मिजल पर पहुंच जाता है। हां, खाने के मामले में यह पेट चिड़िया है। यात्रा के दौरान यह अपने वजन से 2 गुना कीड़े-मकोड़े और परागकण खाली होती है। रुबी श्रॉटेड हमिंग बर्ड पनामा से इस्टर्न यूएस तक 1,400 किलोमीटर की यात्रा बिना रुके तय करता है। *

जीके विवर-75

- वर्गीन समय के मुख्य गुनाव आयुर्वत का वया नाम है?
- इस साल किसे शारि नोबेल पुरस्कार के लिए गुना गया है?
- हाल में वर्ल्ड कप 2023 के लिए भी डिविय ने ऑटोलिया को किराने विकेट से हायार?
- मारीय अंतरिक्ष अनुसंधान संचारण (इसरो) का गुरुत्वालय कहा है?
- देश के किस शहर का उपनाम ल्यू चिंटी भी है?
- आधे प्रदेश का लोक नृत्य क्या है?
- दिल्ली में स्थित शायदिन समाज किस मिजाज नेता की है?
- सौरांगन में रुकने वाले गुड़ी पड़ते हैं?
9. टेलीफोन का आधिकार किसने किया था?
10. दोनों पांडुचर्या लालों का नाम कौन था?

जीके विवर-74 का उत्तर : उत्तर : 1-मिजोरम, 2-जीलैंडिया, 3-हिंदूराज, 4-ब्राजील, 5-शुतुरमुर्म, 6-चिकित कराना, 7-वहादा रहमान, 8-ग्राम बेल, 9-ईरान, 10-फ्रांस

जीके विवर-74 का सही उत्तर देने वाले : दीपिका-रायपुर, वैभवी-संगली, धूपेश-रायपुर, वियंका-रोहतक, सुरेश-बिलासपुर, अंकित-भापाल, जीतन-महेंद्रगढ़, हितेश-राजनांदगांव, नरेश-रायपुर, पूजा-दिल्ली

हंसगुल्ले

मिकू-रिकू, तुल बहुत कर्जाएँ हो, फल खाया करै छिलके रहित। याद है ना करने काला में नैने ने कहा की तो?

दिकू (शुष्ठुरहुय)- नै छिलके गाल फल खाया वाहान है लैकेन जानी खाने से मान करती है।

निकू-कोन-सा फल?

दिकू-केला!

विवेक, दुर्गा-सोनी- गोली वाला, 8 के आधे जिकरे होते 0-0 और खाने गुलामी नूडल्स ले जाने की जिद पकड़ लाए। मम्मी को उसकी जिद पूरी करनी पड़ती है।

गप्पा (टेलर की दुकान पर)- अंकल, शर्ट तो 3-3।

कहानी

सरस्वती रमेश

अ मिति फिफ्थ पास कर सिस्क्स्ट व्लासामें आया तो पापा ने उसका एम्प्रिशन शाहर के एक नामी स्कूल में करवा दिया। अमित इस स्कूल में आकर बहुत खुश था। नए टीचर्स से पहने और नए दोस्त बनाने में उसे बड़ा अच्छा लगा। वह स्कूल से घर लौटकर अपनी मम्मी को स्कूल की सरी बातें बताता। मम्मी भी बड़े

चाव से अमित की बातें सुनती हैं। यह एक दोस्त बन चुके थे। वे साथ-साथ बैठते हैं। लंच साथी बैठकर करते हैं। एक दिन अमित के दोस्त दिनेश ने कहा, 'अमित आज लंच में तुम क्या लाए हो?'

अमित ने उसका से कहा, 'हरे प्याज की सब्जी और परांपरांडी'। 'अमित! तुम रोज-रोज कोई हरी सब्जी क्यों लाते हो? मुझे देखो, मैं रोज टेस्टी लंच लाता हूँ। कभी सैंडविच तो कभी केक तो कभी नूडल्स।' हाँ-हाँ हसते हुए बोला।

'मम्मी! मैं नूडल्स हास्ते में सिर्फ एक दिन देती हैं' विष्णु ने अमित को बताया। अमित सबकी बातें ध्यान से सुन रहा था। लंच करते हुए वह सोच रहा था कि सच में सबकी मम्मीयां कितनी अच्छी हैं। उनकी पसंद का खाना देती हैं। मेरी मम्मी तो हर दिन सब्जी-पानी देती हैं।'

उस दिन स्कूल से घर लौटकर अमित मम्मी से बोला, 'मम्मी! मैं दोस्त रोज रेटेटी खाना लाता हूँ। आप भी मुझे लंच में टेस्टी खाना दिया करों।'

'क्या आज का खाना टेस्टी नहीं था?' मम्मी ने आश्चर्य से पूछा।

'टेस्टी खाने का मतलब होता है सैंडविच, नूडल्स, केक और ब्रेड रोल। मैं दोस्त रोज टेस्टी खाना लाता हूँ।' अमित की प्याज की मम्मी ने अमित को आवाज से समझा, 'हमेशा ज्यादा टेस्टी खाना हेल्प के लिए सहायता की जाती है। उनकी जानकारी अमित ने लेसन में हमेशा देता है।'

मम्मी को आवाज से समझा जाता है कि उनकी जानकारी अमित ने लेसन में हमेशा देता है। अमित ने लेसन में हुए पूरी घटना पैट्रिक खाना ही देना।' अमित ने लेसन में हुए पूरी घटना पैट्रिक खाना ही देना।

अमित की बातें बीमार मम्मी ने उसे प्यार से गले लगा दिया। *

हेल्दी खाना



टीचर ने अमित के लिए ताली भी बजावाई। उसे बहुत अच्छा